वार्तालाप नं.492, जम्मू-1, दिनांक 14.01.08
Disc.CD-492, dated 14.01.08 at Jammu-1

समय: 00.50-02.25

जिज्ञासु- बाबा, जैसे आपने बताया ना कि एक रूहानी बाप है और एक जिस्मानी बाप है।

बाबा- हमने नहीं बताया। हम बताने वाले कौन होते हैं? मुरली है।

जिज्ञासु- अभी मुरली में बताया।

बाबा- मुरली में महावाक्य है कि बेहद के बाप दो हैं - एक मनुष्य सृष्टि का बाप, 500-700 करोड़ जो मनुष्य मात्र हैं सबका बाप। और एक रूहानी बाप, रूहों का बाप। वो भी बेहद का है।

जिज्ञासु- अलौकिक बाप फिर कौन हुआ?

बाबा- अलौकिक जो है वो ब्रह्मा है जो सूक्ष्म शरीर धारण करता है। जो प्रजापिता है उसको अलौकिक कहेंगे कि लौकिक कहेंगे? लौकिक कहेंगे ना। वो आदि से अंत तक इस लोक में पार्ट बजाता है कि सूक्ष्म वतन में पार्ट बजाता है?

Time: 00.50-02.25
Student: Baba, for example, you said that there is a spiritual Father and a physical father.
Baba: I did not that. Who am I to say? It is Murli (which says so).
Student: It was just now told in the Murli.
Baba: It is mentioned in the Murli that there are two fathers in an unlimited sense. One is the father of the human world, father of all the 5-7 billion human beings. And another one is the spiritual father, who is the father of souls. He is also a father in an unlimited sense.
Student: Then who is the *alokik* Father?
Baba: Brahma, who assumes a subtle body, is the *alokik* one. Will Prajapita be called *alokik* or *lokik* (father)? He will be called *lokik* (father) will he not? Does he play a part from the beginning to the end in this world or in the subtle world?

जिज्ञासु- जिस्मानी पिता जो शरीर का पिता है उसको फिर क्या नाम दें?

बाबा- वो हद का लौकिक बाप है। नाम तो अलग-2 हैं। नाम तो हर जन्म में अलग-2 होते हैं लेकिन जो हद के बाप हैं वो 500-700 करोड़ सारे ही हद के बाप हैं। उनको मनुष्य सृष्टि का बेहद का बाप नहीं कहेंगे। ईब्राहिम, बुद्ध, क्राइस्ट वो भी फादर्स हैं लेकिन वो ग्रेट-2 फादर्स नहीं हैं। सिर्फ ग्रेट फादर्स हैं। उनके नाम के आगे □बल ग्रेट नहीं लगाया जा सकता।

Student: Then, what should we call the physical father, the father of the body?
Baba: He is the *lokik* father in a limited sense. Names are different. The name is different in every birth, but the limited fathers, all the 5-7 billion are limited fathers. They will not be called the unlimited fathers of the human world. Abraham, Buddha, Christ are also fathers, but they are not great-great fathers. They are just great fathers. Double great cannot be prefixed to their names.

समय- 05.23-10.44

जिज्ञासु- बाबा, अभी जैसे बोला कि पतित-पावन सीता-राम। तो राम बाप आया है पतितों को पावन बनाने तो सीता का फिर क्यों नाम पहले है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- क्योंकि जो साकार राम है वो साकार सीता के बगैर उसके साथ जब तक प्रवृत्ति न निभाए तब तक पावन नहीं बन सकता। क्योंकि प्रवृत्तिमार्ग में रहकरके पावन बनने का राजयोग सिखाते हैं या निवृत्तिमार्ग में रहकर सिखाते हैं? और प्रवृत्तिमार्ग वाले पहले सीखते हैं या निवृत्तिमार्ग वाले पहले सीखते हैं? प्रवृत्तिमार्ग वाले अर्जुन ही राजयोग सीखते हैं। तो जो सीखने वाले हैं....। प्रवृत्ति एक से तो नहीं होती। प्रवृत्ति के लिए तो दो चाहिए और इस दुनियाँ में प्रैक्टिकल में दो चाहिए या एक हवा में हो और एक साकार शरीर से हो तो चलेगा? दोनों ही चाहिए।

Time: 05.23-10.44

Student: Baba, just now it was said that the purifier of the sinful ones is Sita-Ram. So, the Father Ram has come to purify the sinful ones; so, then why is Sita's name uttered first?

Baba: It is because until the corporeal Ram forms his household with the corporeal Sita he cannot become pure because… we are taught Rajyog where we become pure while living in the household or while living in the path of renunciation? And do those who belong to the path of household learn first or do those who belong to the path of renunciation learn first? Only Arjuns who belong to the path of household learn rajyog. So, those who learn..... A household cannot be established by just one person. Two people are required for a household, and in this world are two people are required in practical or will it do if one is in the air (i.e. without a body) and if one is in a corporeal body? Both are required.

तो दोनों की बुद्धि में ये पक्का बैठ जाए। ये ज्ञान बुद्धि में पहले बैठ जाए। ज्ञान पहले बैठेगा या पवित्र देवता पहले बनेंगे? ज्ञान पहले बैठता है। जब ये पक्का-2 ज्ञान बैठ जाए। तो उनकी बुद्धि एक दूसरे में एटैच होगी या ि◌टैच होके रहेगी? अटैच हो जाएगी माना समान पुरूषार्थी जब तक नहीं होंगे तब तक सिद्धि नहीं मिल सकती इसीलिए राधा का नाम पहले कृष्ण का नाम बाद में। क्यों?

So, it should sit firmly in the intellect of both. First this knowledge should sit in the intellect. Will the knowledge sit in the intellect first or will you become deities first? First the knowledge sits [in the intellect]. When this knowledge sits firmly, will their intellect develop attachment for each other or will it remain detached? It will become attached, i.e. until they become equal *purusharthis* (the ones who make effort), they cannot achieve success; this is why Radha's name is uttered first and Krishna's name is uttered later on. Why?

सीता का नाम पहले राम का नाम बाद में? कोई कारण होगा? कारण यही है कि कन्याओं माताओं में धारणा शक्ति ज्यादा होती है और पुरूषों में धारण शक्ति नहीं होती है। इसीलिए मुरली में बोला पुरूष सब दुर्योधन दुःशासन हैं। और कन्यायें, मातायें कोई-2 होती हैं सूर्पणखा, पूतना। नहीं तो भारत की कन्यायें, मातायें तो सब शिव शक्तियाँ हैं। श्रेष्ठ पार्ट बजाने वाली हैं। इसीलिए कन्याओं माताओं को निमित्त बनाता हूँ। ज्ञान देने के लिए भी ज्ञान कलश किसपर रखता हूँ? कन्याओं माताओं के ऊपर ज्ञान कलश रखता हूँ। और उन्हीं के द्वारा स्वर्ग के गेट खुलवाता हूँ। इसीलिए माता का नाम आगे रखना पड़े। माता को गरू जब तक नहीं बनाया है तब तक पवित्रता के पुरूषार्थ में कोई भी माई का लाल पास नहीं हो सकता।

Why Sita's name is uttered first and Ram's name later on? There must be some reason. The reason is that the virgins and mothers have more power of inculcation (*dharana shakti*) and the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

men do not have the power of *dharana*. This is why it was said in the Murli that all men are Duryodhans and Dushasans. And among the virgins and mothers very few are Surpankhas, Pootnas. Otherwise, virgins and mothers of India are all Shiv Shaktis. They play a righteous role. This is why I make virgins and mothers instruments. Even for the purpose of giving knowledge, on whom do I place the urn of knowledge (*gyan kalash*)? I place the urn of knowledge on the virgins and mothers. And I open the gate of heaven only through them. This is why the name of the mother should be uttered first. Until someone has made a mother as their guru, no *mai ka lal*[1] (warrior) can pass in the purusharth (spiritual effort) to become pure.

जिज्ञासु- वो नदी भी तो पतित पावनी हो गई।

बाबा- पतित-पावनी नदियाँ नहीं होती। नदियों का स्वभाव होता है ऊपर से नीचे की ओर जाना। पतित पावन तो बाप ही है। क्या? उसको ज्ञान मानसरोवर कह दो। ऊँची से ऊँची स्टेज पे स्थिर रहने वाला। उसको ज्ञान सागर कह दो। बेहद का ज्ञान सूर्य कह दो। ऊँची ते ऊँची स्टेज वाला है बाकी वो नदी नहीं है। नदियाँ पानी की होती हैं। भक्तिमार्ग में कहते हैं कि वहाँ दूध-घी की नदियाँ बहती थी। कहाँ? सतयुग में। लेकिन दूध-घी की नदियाँ होती नहीं हैं। ये एक मुहावरा है यहाँ का मुहावरा है संगमयुग का। सतयुग में क्या दूध-घी की नदियाँ होंगी? जो उन्होंने गऊ मुख ऊपर दिखाए दिया है। वहाँ ऊपर गईया बैठी हुई है और उसमें से जो पानी निकलता था वो पानी नहीं था दूध था। और दूध की धारा बह रही थी गंगाजी की। ऐसे था?

जिज्ञासु- नहीं।

Student: That river is also purifier of the sinful ones.

Baba: Rivers are not purifiers of the sinful ones. The nature of rivers is to flow downwards. Only the Father is a purifier of the sinful ones. What? Call Him the *Gyan Mansarowar*, the one who becomes constant in the highest stage. Call him the ocean of knowledge. Call him the Sun of knowledge in an unlimited sense. He has the highest stage. As for the rest those rivers are not [the purifiers of the sinful ones]. Rivers are rivers of water. In the path of *bhakti* it is said that rivers of milk and ghee used to flow there. Where? In the Golden Age. But rivers of milk and ghee do not exist. It is a proverb. It is a proverb pertaining to the Confluence Age. Will there be rivers of milk and ghee in the Golden Age? They have depicted the *Gau Mukh* (mouth of a cow) on the top (of a mountain). Cows are sitting there above and the water that used to emerge from there was not water, but milk. And a stream of milk of *Gangaji* was flowing. Was it so?

Student: No.

बाबा- कहाँ की यादगार है?

जिज्ञासु- संगमयुग।

बाबा- भक्तिमार्ग में जो उन्होंने गऊ मुख ऊपर बनाए दिया है नीचे गंगोत्री बनाए दी है। नीचे गंगा बह रही है। हरिद्वार बना दिया, ऋषिकेश बना दिया ये कहाँ की यादगार है? संगमयुग की ही यादगार है। संगमयुग में जो कन्यायें मातायें हैं जब तक सम्पन्न ज्ञान प्रत्यक्ष नहीं होता संसार में और भगवान बाप संसार प्रत्यक्ष नहीं होता में तब तक पानी की गंगा है। क्या? नदियों के लिए भी बोला है गंगा हो चाहे यमुना हो। अगर सागर से कनेक्शन नहीं है तो नदी

[1] Literally: no child of any mother

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

नहीं वो नाला है। अगर सागर से कनेक्शन पक्का जुटा हुआ है तो नदी को नाला कहेंगे? कह ही नहीं सकते।

Baba: It is a memorial of which place?
Student: The Confluence Age.
Baba: The *Gaumukh* that they have made above in the path of *bhakti* and made Gangotri below. Ganga is flowing below. They have depicted Haridwar, Rishikesh; they are memorials of which time? They are memorials of the Confluence Age only. The virgins and mothers in the Confluence Age are Ganges of water until the complete knowledge is revealed in the world and until God, the Father is revealed in the world. What? It has also been said for the rivers that whether it is Ganges or Yamuna, if it does not have a connection with the ocean, then it is not a river but a drain. If there is a firm connection with the ocean, then will the river be called a drain? It cannot be called a drain.

समय-10.45-13.23

जिज्ञासु- बाबा, भक्तिमार्ग में ऐसा एक दृष्टांत दिया हुआ है कि नारी की झाईं पड़त अंधा ..., फिर बंदे की क्या गति जो नित नारी के संग। बाबा तो कहते हैं स्त्री और पुरूष इकट्ठे रहें, पवित्र रहें। तो इसका क्या भाव है?

बाबा- इसका भाव ये है कि जो भी सन्यासी गुरू हैं उन्होंने अपना अनुभव रख दिया। क्या? नारी नर्क का द्वार। लेकिन नर्क का द्वार बनाता कौन है? पुरूष ही तो बनाते हैं। कन्या के रूप में जन्म लेने वाली। तो कन्या के अंदर ये भावना होती है? वेश्यालय बनाने वाले पुरूष हैं या स्त्रियाँ, कन्यायें, मातायें हैं? पुरूष हैं। तो सन्यासियों का ये फतवा है कि नारी नर्क का द्वार है। बाप कहते हैं नर्क का द्वार कहते हो तुम उसको सर्पिणी कहते हो। खुद क्या हो? खुद तो सर्प हो ना। बाप आते हैं बात ही दूसरी हो जाती है।

Time: 10.45-13.23
Student: Baba, there is a legend about women in the path of bhakti .... (student said a verse in a colloquial language). Baba says that man and woman should live together; they should lead a pure life. So, what does it mean?
Baba: It means that all the *sanyasi gurus* have presented their experience. What? That a woman is the gateway to hell. But who makes the gateway to hell? It is the men who make them so. The one who is born as a kanya (virgin); does a kanya have that feeling (of lust)? Do men make brothels or do women, virgins, mothers make them? The men. So, the *sanyasis* have issued a *fatwa* (decree) that a woman is the gateway to hell. The Father says, 'You call her gateway to hell, you call her a snake. What are you yourself? You are a snake, aren't you?' When the Father comes, the matter changes completely.

सन्यासी तो एक दो स्त्री के साथ रहते हैं तो छोड़ करके, उनके ऊपर दोष लगाकरके भागते हैं। कन्याओं, माताओं पर दोष लगाकरके भाग जाते हैं ना। और भगवान आते हैं तो कन्याओं, माताओं के साथ ही रहते हैं। शिवशक्तियों के साथ ही रहते हैं लेकिन ये तो नहीं कहते हैं कि कन्यायें मातायें सर्पिणी हैं। इनसे दूर भागो। क्यों नहीं कहते? क्योंकि खुद का अनुभव क्या है? खुद का अनुभव है कि जिस तन में प्रवेश करते हैं, जिस रथ में प्रवेश करते हैं। उस रथ की इन्द्रियों को कन्ट्रोल करते हैं। इसीलिए उसका ये अनुभव हो ही नहीं सकता की नारी नर्क का

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

द्वार है या पुरूष सर्प है या नारी सर्पिणी है। तो गुरू जैसा होगा चेले भी वैसे ही होंगे। गुरू जिनके अंधले चेला सत्यानाश।

Sanyasis, live with one or two women, then leave them and run away after blaming them. They blame the virgins, mothers and run away, don't they? And when God comes, He lives with the virgins and mothers themselves. He lives with the *Shiv shaktis* themselves, but He does not say that the virgins, mothers are snakes, [so] run away from them. Why doesn't He say so? Because what is His own experience? His own experience is that the body in which He enters, the chariot in which He enters, He controls the organs of that chariot. This is why He cannot feel that a woman is the gateway to hell or that a man is a snake or a woman is a female snake. So, as is the guru so shall be the disciples. The disciples, whose gurus are blind, will be doomed.

समय:13.28-19.35

जिज्ञासु- बाबा, जैसे बताया की सतयुग में रात नहीं होती तो चंद्रमा भी नहीं होगा, तारे भी नहीं होंगे तो आखिर इतना बड़ा पृथ्वी का ¼ हिस्सा बताते हैं कि चंद्रमा साईज़ में है।

बाबा- ¼ हिस्सा से कलियुग में दिखाते हैं या सतयुग में भी ¼ हिस्सा होगा? अरे! सतयुग में तो सारी सृष्टि ये जो पसारा है दूसरे-2 धर्मखं का वो समुद्र के गर्त में समा जाएगा।

Time: 13.28-19.35

Student: Baba, for example, it was told that there is no night in the Golden Age; so, there will not be any moon, stars; so when they say that the Moon is so big in size, one fourth in size when compared to Earth.

Baba: Is it shown to be 1/4th size in the Iron Age or will it be 1/4th in the Golden Age as well? Arey! This entire expanse of this world related to the other religious lands will submerge in the ocean.

जिज्ञासु- ये कब घटेगा?

बाबा- ये कब घटेगा? जब विनाश होगा तब घटेगा। इनकी जो हिस्ट्री है और-2 धर्मखंों की वो 2500 साल की पुरानी है ना। उससे ज्यादा पुरानी तो नहीं है? आस्ट्रेलिया 300 साल पहले मनुष्य के दिमाग में आई। उससे पहले पता ही नहीं था। ये अमेरिका 500 साल पहले मनुष्य के स्मृति पटल में आया कि हाँ रे इंियन्स वहाँ रहते हैं। वो कोई ऐसा महाखं है। इसी तरह जो और-2 धर्मखं हैं। इस्लामी धर्मखं अफ्रीका, अरब देश। ये भी समुद्र के गर्क में समाए हुए थे। अफगानिस्तान, ईरान। ये जो भी मुस्लिम धर्मखं हैं ये सब समुद्र के गर्त में समाए हुए थे।

Student: When will it decrease?

Baba: When will it decrease? It will decrease when the destruction takes place. The history of the other religious lands is 2500 years old, isn't it? Is it older than that? Australia emerged in the intellect of the human beings 300 years ago. Before that it was not known. This America came to the intellect of human beings 500 years ago when the human intellect came to know that the Red Indians live there. There is one such continent. Similarly, there are other religious lands. The religious land of Islam: Africa, Arabian land. They were also submerged in the ocean. Afganistan, Iran. All these Muslim religious lands were submerged in the ocean.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- तो बाबा इसकी पुनः स्थापना कैसे होती है चंद्रमां और तारों की? सतयुग त्रेता में तो ये समाए रहते हैं।

बाबा- जो भी ग्रह हैं और जो भी उपग्रह हैं। जिस ग्रह के पास जो उपग्रह होगा। वो ग्रह उस उपग्रह को अपनी ओर खींचता है कि नहीं खींचता है? खींचता है। लेकिन दूसरे ग्रह भी उसको अपनी तरफ खींचते रहते हैं। इसीलिए न वो इधर आता न उधर जाता। चारों तरफ चक्कर काटता रहता है। चंद्रमां किसके चक्कर काटता है? पृथ्वी के चक्कर काटता है। क्यों चक्कर काटता है? क्योंकि पृथ्वी का ही बच्चा है चंद्रमां, कृष्ण बच्चा। नहीं समझ में आया? जो चंद्रमां है वो किसका बच्चा है? ज्ञान चंद्रमां ब्रह्मा किसका बच्चा है? गीता माता का बच्चा है ना। तो जिसका बच्चा है उसकी चारों ओर चक्कर काटेगा ।

Student: So, Baba, how does the re-establishment of the Moon and the stars take place? All these remain merged in the Golden Age, Silver Age.

Baba: The planets and the satellites. Whichever satellite is situated near whichever planet, does that planet pull the satellite towards itself or not? It pulls. But other planets also pull it towards them. This is why, it neither comes this side nor goes that side. It keeps revolving around. Around whom does the Moon revolve? It revolves around the Earth. Why does it revolve? It is because the Moon, the child Krishna is Earth's child only. Did you not understand? Whose child is the Moon? Whose child is the Moon of knowledge Brahma? It is the child of Mother Gita, isn't it? So, it will revolve around the person whose child it is.

जिज्ञासु- जैसे पहले महाभारत होगी। सिविल वार होगी। उसके बाद जो है एटोमिक ब्लास्ट होगा उसके बाद फिर जो है धरती में भूकंप आयेंगे। नेचुरल कलेमिटीज़ होगी तो उसके बाद जो है ये सारे सितारे.....

बाबा- नेचुरल कलेमिटीज़ तो साथ ही साथ चलती हैं। अभी भी भूकंप आते हैं नेचुरल कलेमिटीज़ नहीं होती? होती है। अभी कम हैं और बाद में जैसे-2 एटोमिक विस्फोट बढ़ते जावेंगे वैसे-2 नेचुरल कलेमिटीज़ भी बढ़ती जावेगी।

Student: For example, initially Mahabharata, civil war will take place. After that atomic blast will take place. After that Earthquakes will occur. Natural calamities will take place. Later on these stars.....

Baba: Natural calamities take place simultaneously. Even now Earthquakes occur; don't natural calamities take place? They do take place. Now they are less frequent. And later on as the atomic explosions increase, the natural calamities will also go on increasing.

जिज्ञासु- अभी जैसे साईन्टिस्ट कह रहे हैं कि एक ऊपर से जो है बहुत बड़ा स्लेब गिरने वाला है।

बाबा- साईन्टिस्ट तो न जाने क्या-2 कहते रहते हैं। हम उनकी बातों पर ध्यान क्यों दें?

जिज्ञासु- तो उससे जो है उनका कहना है कि वो भी एटम बम्ब की तरह काम करेगा। उसका इतना बड़ा इफेक्ट होगा इस धरती पर कि वो धरती को हिला के रख देगा। ऐसी उनकी जो है खोज चल रही है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- साईन्टिस्ट की सारी बातों को कलेक्ट करो जो उन्होंने अभी तक बोली है और घोषणा की है। जैसे आज के ज्योतिषी कितनी बातें बोलते हैं। और उनमें से कितनी बातें सत्य निकलती हैं? सारी सत्य निकलती हैं क्या? कोई सत्य भी निकलती हैं और झूठ भी निकलती हैं।

Student: For example, now the scientists are saying that a very big slab is going to fall (on the Earth) from above.
Baba: Scientists keep saying so many things. Why should we pay attention to their words?
Student: So, they say that it will also have the effect of an atomic bomb. It will have such a big effect on the Earth that it will shake the Earth. They are doing such research.
Baba: Collect all the versions of the scientists which they have spoken and declared so far. For example, today's astrologers speak so many things. And how many of their predictions come true? Does everything come true? Some turn out to be true and some turn out to be false.

जिज्ञासु- द्वापर से ये दुबारा कैसे स्थापित हो जायेंगे इतनी हाईट पर जाकर। द्वापर से ये जो चंद्रमा और सितारे हैं ये ऊपर कैसे एस्टेब्लिश हो जाते हैं।

बाबा- सितारों की बात कहाँ बताई? चंद्रमा की बात बताई। सितारे थोड़े ही पृथ्वी के उपग्रह हैं। आप चंद्रमां की बात कर रहे हैं या सितारों की?

जिज्ञासु- चंद्रमां की।

Student: How will they go back to their position at such a height from the Copper Age? How will the Moon and the stars establish above Copper Age onwards?
Baba: Was it said about the stars? It was said so about the Moon. Stars are not the satellites of Earth. Are you talking about the Moon or the stars?
Student: I am talking about the Moon.

बाबा- चंद्रमा की बात कर रहे हैं। तो चंद्रमा पृथ्वी का उपग्रह है, पृथ्वी से पैदा हुआ है। उपग्रह है, माना किसका? किससे कनेक्टे□ है? पृथ्वी से कनेक्टे□ है। माना ये जो प्रशांत महासागर अभी दिखाई पड़ रहा है इसकी गहराई आज तक किसी ने मापी नहीं है। इतना गहरा है। ये जो इतना गढ्□ा बना हुआ है। इस गढ्□ा का जो पृथ्वी खं□ था वो कितना बड़ा होगा? वो पृथ्वी खं□ अलग हो गया। कब? जब अर्ध विनाश हुआ। द्वापर के आदि में चंद्रमां अलग हो गया पृथ्वी अलग हो गई। वो चंद्रमां पृथ्वी के चक्कर काट रहा है दूसरे ग्रह उपग्रहों का गुरुत्वाकर्षण उसको खींच रहा है। अरे! ज्ञान चंद्रमां ब्रह्मा को दूसरे धर्म की आत्मायें खींचती हैं कि नहीं खींचती हैं? वक्र चंद्रमां ग्रसे न राहू। टेढ़ जान संका सब काहू। तो ब्रह्मा बाबा टेढ़े थे या सीधे थे? सीधे थे। मीठा स्वभाव था। वो सबको अच्छा लगता है। वो जगतमाता है वो बच्चे जो हैं वो बाप को ज्यादा पसंद करते हैं या माँ को ज्यादा पसंद करते हैं? क्यों करते हैं माँ को ज्यादा पसंद? माँ से तो वर्सा नहीं मिलता। ला□-प्यार ज्यादा करती है, मोहमयी ज्यादा होती है इसीलिए माँ की ओर मुड़ते हैं।

Baba: You are talking about the Moon, the Moon is the satellite of Earth; it has emerged from the Earth. It is a satellite (*upgrah*); meaning it belongs to whom? It is connected with whom? It is connected with the Earth. It means that the Pacific Ocean which is now visible; its depth has not been measured by anyone till date. It is so deep. Such a big pit that has formed. How big would have been the part of Earth corresponding to that pit? That part of Earth separated. When? (It separated from the Earth) when semi-destruction took place. In the beginning of the Copper

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Age, the Moon separated from the Earth. That Moon is revolving around Earth. The gravitational force (*gurutvakarshan*) of other planets and satellites is pulling it. Arey! Do the souls of other religions pull the Moon of knowledge Brahma or not? *Vakra chandrama grasey na rahu. Tedh jaan sanka sab kahu*[2]. So, was Brahma Baba crooked or simple? He was simple. He had a sweet nature. It is liked by everyone. She is the world mother. Do children like the Father more or the mother more? Why do they like the mother more? We do not get inheritance from the Mother. She shows more affection; she has more attachment; this is why we incline towards the mother.

समय:19.40-25.05

जिज्ञासु- भक्तिमार्ग में ये एक रसम चली आई है कि शिवलिंग के ऊपर पानी चढ़ाते हैं। अक का फूल तो चढ़ाते हैं वो तो समझ लिया कि विकारी चीजे वहां दान करते हैं। लेकिन पानी क्यों चढ़ाते हैं यही सवाल करते हैं हम।

बाबा- पहले तो ये पक्का करें कि चढ़ाने वाले जो हैं वो ज्ञानी आतमायें हैं या भक्त आतमायें हैं? भक्त आत्मायें हैं। और जो भक्त आत्मायें होती हैं वो दूसरे धर्मों से निकलती हैं या जो आदि सनातन देवी-देवता धर्म के पक्के सूर्यवंशी हैं वो भक्त आत्मायें होती हैं? कौन होती हैं? सूर्यवंशी आत्मायें तो भक्त आत्मायें नहीं कहेंगे।

Student: A tradition has been prevalent in the path of *bhakti* that they pour water over *Shivling*. They offer the flowers of *Ak*; I have understood that donate lust there. But my question is that why do they pour water over it?

Baba: First you should decide that whether those who pour (water) are knowledgeable souls or devotee souls? They are devotee souls (*bhakt aatmaein*). And do the devotee souls emerge from other religions or from among the *Suryavanshis* who are firm in the Ancient Deity Religion? Who are they? *Suryavanshi* souls will not be called devotee souls.

जिज्ञासु- भक्ति तो रावण से आती है ना।

बाबा- हाँ। भक्ति रावण से आती है। तो रावण जो है वो तो इस चंद्रवंशी से लेकरके और नास्तिकवंशी जितने भी हैं वो सब रावण सम्प्रदाय में कनवर्ट होने वाले हैं। वो ब्रह्मा की गोद में पलने वाले हैं। भगत होंगे उनको भक्तों की लिस्ट में □ालेंगे या ज्ञानी की लिस्ट में □ालेंगे? भक्तों की लिस्ट होगी ना उन सबकी। जो बुद्धि से ज्ञान को नहीं समझते हैं और अंधश्रद्धायुक्त, अंधविश्वास के काम करते हैं उनको ज्ञानी कहेंगे या भक्त कहेंगे? बाबा की जो मुरली आई उस मुरली को उन दूसरे-दूसरे धर्म की जो आधारमूर्त यज्ञ में पड़े हुए हैं वो समझने वाले नहीं हैं। तो अज्ञान के अंधे हुए ना अंधश्रद्धा, अंधविश्वास उनसे आता है ना। अंधश्रद्धा, अंधविश्वास आता है और राम वाली कहाँ से आती है? कहाँ से जन्म लेती है?

Student: *Bhakti* comes from Ravan, does it not?

Baba: Yes. *Bhakti* comes from Ravan. So, everyone from the *Chandravanshis* to the atheists are going to converted to the Ravan community. They are sustained in the lap of Brahma. Will the devotees be included in the list of devotees or in the list of knowledgeable persons? All of them are in the list of devotees, aren't they? Will those who do not understand knowledge through their intellect and perform tasks based on blind faith be called knowledgeable ones or devotees?

[2] Rahu (evil) cannot eclipse the crooked moon…

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

The base-like souls related to other religions which are present in the yagya are not going to understand Baba's Murlis. So, they are blind due to ignorance, aren't they? Blind faith comes from them, doesn't it? Blind faith comes from them; and where does the soul of Ram come from? Where does he take birth?

राम वाला जो अंतिम जन्म का व्यक्तित्व है वही तो लिंग है। उसीमें तो वो ज्योतिबिंदु वो हीरा प्रवेश करता है, जो सोमनाथ का मंदिर बनाया है। सोमनाथ के मंदिर में जो लिंग बनाया है उस लिंग में हीरा जड़ा है। वो हीरा किसकी यादगार थी? शिव ज्योतिबिंदु की यादगार। और लिंग वो साकार शरीरधारी की यादगार है जो अपने को निराकारी स्टेज में स्थिर करता है। निराकारी स्टेज स्थिर करने की प्रैक्टिस करता है। पहले प्रैक्टिस करता है, प्रैक्टिस करते-2 सम्पूर्ण भी बन जाता है। जब सम्पूर्ण बन जाता है तो उसकी यादगार बन जाती है कि दुनियाँ चाहे कलंकीधर की कलंक लगाती रहे लेकिन उसके ऊपर कोई असर.....।

The personality of the last birth of (the soul of) Ram is the *ling*. That point of light, that diamond enters him, for whom the Somnath temple has been built. In the temple of Somnath, in the ling that was built, a diamond is embedded. Whose memorial was that diamond? A memorial of point of light Shiv. And the *ling* is a memorial of the corporeal bodily being who makes himself constant in the incorporeal stage. He practices to become constant in the incorporeal stage. First he practices this, and through practice he becomes complete. When he becomes complete his memorial is formed that the world may level any number of charges against the *kalankidhar*, but he is not affected.....

कान होते हुए भी कान हैं ही नहीं। आँख होते हुए भी आँखें है ही नहीं। दुर्गंध कितनी भी उड़ती रहे उसको दुर्गंध असर ही नहीं करती। तो जैसे नाक, आँख, कान, मुँह, हाथ, पाँव जैस है ही नहीं इन्द्रियाँ। तो लिंग रूप बनाए दिया भक्तों ने। अरे! भगवान लिंग है इतना बड़ा या वास्तव में बिंदु है? बिंदु है लेकिन वो बड़ा रूप को याद करते हैं। तो ये जो बड़ा रूप है वो ब्राह्मणों की दुनियाँ में किसने याद करना शुरू किया? अरे! यज्ञ में पहले क्या याद करते थे?

जिज्ञासु- ओम की ध्वनी।

...despite having ears the ears don't exist; despite having eyes, the eyes don't exist. Bad odour may be emanating to whatever extent, but that bad odour does not affect him at all. So, it is as if the nose, the eyes, the ears, the mouth, the arms, the legs do not exist at all. So, the devotees have made a *ling* form. Arey! Is God such a big *ling* or is He actually a point? He is a point, but they remember the bigger form. So, who started remembering this big form in the world of Brahmins? Arey! What did they used to remember in the *yagya* initially?

Student: The sound of Om.

बाबा- नहीं वो तो ओम, ओम, ओम वो भी भक्तिमार्ग की यादगार है। मुख से रटना, मुख से आवाज लगाना वो भी भक्तिमार्ग है लेकिन जो आग का गोला याद करते थे, लिंग रूप में याद करते थे वो भी भक्तिमार्ग है। याद कौन करते थे? वो भक्त ही याद करते थे जिनको साक्षात्कार हुए। और फिर उन भक्तों ने जब ब्रह्माबाबा अपनी शरीर छोड़ने की स्टेज तक आए। उन भक्तों ने जो लिंग के रूप में पूजा गया राम वाला आखरी जन्म का व्यक्तित्व। अरे! उसी की तो पूजा

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

करते हैं यादगार में। उसके ऊपर जल चढ़ाया कि नहीं चढ़ाया? अरे! जो जल चढ़ाया वो दूध चढ़ाया, अमृत चढ़ाया, ज्ञानअमृत चढ़ाया या जल चढ़ाया?

जिज्ञासु- ज्ञानअमृत।

Baba: No. That *'Om, om, om'* is also a memorial of the path of *bhakti*. Uttering through the mouth, creating sounds through the mouth is also a path of bhakti, but the ball of fire, the *ling* form that they used to remember is a path of *bhakti* as well. Who used to remember? Those devotees who had visions themselves used to remember. And then, when Brahma Baba came closer to the stage of leaving his body, those devotees… the personality of the last birth of (the soul of) Ram who was worshipped in the form of a ling; arey! He alone is worshipped [in the form of a ling] as a memorial; did they pour water over it or not? Arey! The water that they poured, did they pour milk, did they pour nectar, did they pour the nectar of knowledge or did they pour water?

Student: The nectar of knowledge.

बाबा- ज्ञानअमृत चढ़ाया? वो ज्ञानअमृत उनकी खुद की बुद्धि में वो जल बैठा? खुद की बुद्धि में ही उन्होंने नहीं समझा की बाप कौन है। जब बाप के स्वरूप को उन्होंने खुद ही नहीं जाना तो उसका परिचय, ज्ञान कहाँ से देंगे? उन्होंने जल चढ़ाया। वो ही भक्तिमार्ग में वहाँ चढ़ायेंगे। यही तो आपका प्रश्न था की शिवलिंग के ऊपर जो जल चढ़ाते हैं ये कहाँ की यादगार है? ये संगमयुग की यादगार है। कि राम वाली आत्मा ब्रह्मा बाबा के शरीर छोड़ने के बाद ज्ञान में जब आती है तो उसके ऊपर ये जल कौन चढ़ाते हैं? ये भक्त लोग जल चढ़ाते हैं। अरे! जो ज्ञान सागर संसार में बनकरके प्रत्यक्ष होने वाला है उसके ऊपर तुम क्या जल चढ़ाते हो? तुम्हारे समझाने से उसकी समझ में आ जावेगा?

Baba: Did they pour the nectar of knowledge? Did that nectar of knowledge sit in their intellect? When it did not sit in their own intellect, when they themselves did not understand who the Father is, when they themselves did not know about the Father's form, then how will they give His introduction, His knowledge? They offered water (of knowledge); the same people will offer [water] there in the path of bhakti. It was your question, 'pouring water on the Shivling is a memorial of which time?' It is the memorial of the Confluence Age that when the soul of Ram enters the path of knowledge after Brahma Baba has left his body, then who pours water on him? These devotees pour water. Arey! How can you pour water on the one who is going to be revealed in the form of an ocean of knowledge in the world! Will he understand (knowledge) on being explained by you?

समय: 25.15-27.20

जिज्ञासु- बाबा, बाप कहते हैं पहले पढ़ाई, फिर लड़ाई, उसके बाद फिर राजाई। तो ये मुरली क्लास जो चलती है ये कब तक चलेगा?

बाबा- तुम उठ के भाग जाओ तो मुरली चलना बंद।

जिज्ञासु- 2018 से पहले खतम हो जाएगा क्या? 2018 तक चलेगा ना।

Time: 25.15-27.20

Student: Baba, the Father says, 'First is the study, then the fighting, then kingship'. So, how long will this Murli class continue?

Baba: If you get up and run away (from this class), the narration of Murlis will stop.

Student: Will it end before 2018? It will continue till 2018, will it not?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- मुरली चलना माना वाणी चलना। है ना? मुरली चलना माना वाणी चलना। और वाणी जो है वो चलाना भक्तों का काम है। जब तक भक्ति है तब तक वाणी है या ज्ञानी सम्पन्न बन जाएगा, सम्पूर्ण स्टेज वाला ब्राह्मण बन जाएगा, ब्राह्मण सो देवता बन जाएगा तो उसको वाणी चलाने की दरकार रहेगी? या वायब्रेशन से ही सारा काम करेगा? उसका वायब्रेशन ही इतना पवित्र होगा कि जो सामने आवेगा वो चेंज हो जावेगा। वाणी चलाने की दरकार नहीं होगी। अभी कितने गुरू वाणी चला रहे हैं। और कितने नेतायें कितनी वाणी चला रहे हैं। इतनी वाणी पहले कभी किसी शासन में चली नहीं और पहले किसी धर्म सम्प्रदाय में चली नहीं। लेकिन इतनी वाणी चलाने के बावजूद भी रिज़ल्ट जीरो। क्यों? वाणी से परे जब तक स्वयं आत्मा नहीं पहुँचेगी तब तक वानप्रस्थी नहीं कही जाएगी। और वानप्रस्थी जब तक होंगे नहीं तब तक संसार का कल्याण होगा ही नहीं।

जिज्ञासु- वाणी से परे जाना ही पड़ेगा।

बाबा- पड़ेगा। मजबूरी है?

Baba: Narration of murlis means speaking. Is it not? Narrating murlis means speaking. And is speaking the work of devotees; is there speech as long as there is *bhakti*, or will there be any need to speak when the knowledgeable person becomes complete, when he becomes a Brahmin in a complete stage, when he transforms from a Brahmin to deity? Or will everything be done through vibrations? His vibration itself will be so pure that whoever comes in front of him will change. There will be no need to speak. Now so many gurus are speaking. And so many leaders are speaking so much. So many lectures were not delivered in any other rule and religious community in the past. But despite delivering so many lectures the result is zero. Why? Until the soul itself reaches the stage of going beyond speech, it will not be called *vaanprasthi.* And until we become *vaanprasthi* the world will not be benefited.
Student: We will certainly have to go beyond the stage of speech.
Baba: Will have to. Is it a compulsion (*majboori*)?

समय: 36.41-37.16

जिज्ञासु- बाबा, जो भी गलती करते हैं धर्मराज उनको सजा दे देते हैं। फिर द्वापरयुग आते ही क्राइस्ट की आधारमूर्त को क्रॉस पर चढ़ाने की सजा क्यों मिल जाती है?

बाबा- हाँ। क्राइस्ट को जो सूली चढ़ी है। जीसस ने सूली भोगी है उसकी शूटिंग कहाँ किसने की है? यहाँ शूटिंग हुई है कि नहीं?

जिज्ञासु- शूटिंग तो हुई; लेकिन सजा तो भोग लिया ना।

बाबा- यहाँ सजा भोगेंगे तो वहाँ सजा नहीं भोगेंगे?

Time: 36.41-37.16
Student: Baba, Dharmaraj punishes all those who commit mistakes. Then why does the supporting soul of Christ experience punishment of being crucified as soon as the Copper Age begins?
Baba: Yes. Christ was crucified. Jesus suffered the pain of crucifix. Who performed its shooting and where? Did its shooting take place here or not?
Student: The shooting took place, but he suffered punishment, didn't he?
Baba: If someone suffers punishment here, will he not suffer punishments there?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय: 37.20-42.10

जिज्ञासु- बाबा, एक मुरली में आया है कि जो विधर्मी और विदेशी आत्माएँ हैं उनके 84 जन्म नहीं होते। लेकिन रूद्रमाला में बाबा जो चुन रहा है बच्चे। हद विदेशियों से भी चुन रहा है तो ये फिर 84 जन्म लेने वाले होंगे?

Time: 37.20-42.10

Student: Baba, it has been mentioned in a Murli that the *vidharmi* and *videshi*[3] souls do not take 84 births. But the children whom Baba is selecting, in the *Rudramala,* they include the foreigners in a limited sense as well. So, will they take 84 births?

बाबा- जो बीज है उसका कभी नाश होता है? बीज का कभी विनाश नहीं होता है । हाँ। ये बात दूसरी है कि मौसम नहीं होगा तो नहीं उगेगा। जब मौसम आयेगा तो उगेगा। तब तक धरणी में पड़ा रहता है ना? जो बीज बरसात के मौसम में पैदा नहीं होते। नहीं होते ना। अपना मौसम आता है तब पैदा होते हैं। तो ऐसे ही ये बीजरूप आत्मायें इनका कभी विनाश नहीं होता है। हाँ ये थोड़े समय के लिए मर्ज और इमर्ज होकरके रह सकते हैं। जो और-2 धर्मों के जिनके छिल्के चढ़े हुए हैं जिन बीजों पर मोटे- मोटे छिल्के चढ़े हुए हैं। वो पहले पवित्र बनेंगे, सम्पूर्ण बनेंगे या बाद में पवित्र बनेंगे? वो बाद मे पवित्र बनेंगे। और जिनके ऊपर हल्का छिल्का चढ़ा हुआ है वो जल्दी पवित्र बनेंगे। सूर्यवंशी पहले पवित्र बनेंगे या जो नास्तिकवंश की आत्मायें हैं वो पहले पवित्र बनेंगे? वो पहले पवित्र बनेंगे।

Baba: Is a seed ever destroyed? A seed is never destroyed. Yes, it is another thing that if the season is not favorable, it will not grow. When the favorable season comes it will grow. Up until then it remains in the soil, doesn't it? The seeds which do not germinate in the rainy season…; they don't germinate, do they? They germinate when their favorable season arrives. So, similarly, these seed-form souls are never destroyed. Yes, they can remain merged (hidden) or emerged (in a revealed form) for some time. Will the seeds which are covered by peels of other religions, which are covered by thick peels, will they become pure first, will they become complete first or will they become later on? They will become pure later on. And those which are covered by a thinner peel will become pure soon. Will the *Suryavanshis* become pure first or will the souls belonging to the atheist dynasty become pure first? They (the Suryavanshi) will become pure first.

तो 2036 तक जितने भी बीज हैं वो सब पवित्र तो बनेंगे नम्बरवार लेकिन एक जैसे पवित्र नहीं बनेंगे। कि एक जैसे पवित्र बनेंगे? बनेंगे? नम्बरवार ही पवित्र बनेंगे। जिस धर्म से कनेक्टे जो बीज होगा और जो धर्म जिस नम्बर पर आने वाला होगा। लास्ट नम्बर पर इस सृष्टि पर उदित होने वाला होगा तो लास्ट में ही वो पवित्र बनेगा। तब ही उनका छिल्का उतरेगा और लास्ट में छिल्का उतरेगा। तो परमधाम से भी पहले जन्म के लास्ट में उतरेगा सतयुग में या पहले ही कृष्ण के साथ जन्म ले लेगा। लास्ट में ही जन्म लेगा। पहले-पहले जो कृष्ण के साथ होंगे वो

[3] Vidharmi: those who follow a religion opposite to the Father's religion
Videshi: those who are born outside the Father's country

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

सूर्यवंशी होंगे या कृष्ण अकेला जन्म लेगा? ज़रूर सूर्यवंशी होंगे। उन सूर्यवंशियों के परिवार के बीच में कृष्ण का जन्म होगा।

So, all the seeds will become pure according to their rank till 2036, but they will not become equally pure. Or will they become equally pure? Will they? They will become [pure] according to their rank only. Whichever seed is connected to whichever religion and whichever religion is to come at whichever number; if it is to emerge in this world at the last number, then it will become pure only in the last. Only then will their peel be removed and their peel will be removed in the last. So, even from the Supreme Abode, will it descend in the last period of the first birth of Golden Age or will it be born along with Krishna in the beginning? It will be born in the last (period of the first birth). Will those, who are with Krishna initially, be *Suryavanshis* or will Krishna be born alone? Certainly there will be *Suryavanshis*. Krishna will be born in the family of those *Suryavanshis.*

जिज्ञासु- इसका मतलब बाबा कृष्ण से भी पहले भी जन्म लेने वाले होंगे?

बाबा- जो अष्टदेव हैं वो कृष्ण से पूर्वज हैं या बाद में आते हैं?

(किसी ने कुछ कहा)

बाबा- अभी तो बताया ना कृष्ण का जन्म अपने परिवार के बीच में होगा.....।

जिज्ञासु- सतयुग का पहला बच्चा कृष्ण नहीं होगा?

बाबा- कृष्ण होगा। लेकिन उससे पहले सूर्यवंशी होंगे या नहीं होंगे इस सृष्टि पर?

जिज्ञासु- होंगे। बच्चे, बच्चे ।

बाबा- राधा-कृष्ण बच्चे हैं। बच्चे बनेंगे तो सूर्यवंशी तो बच्चे हुए ही। राधा-कृष्ण जो हैं जो जन्म लेंगे सतयुग में वो सूर्यवंशी होंगे या चंद्रवंशी होंगे?

Student: Baba, does it mean that there will be souls who are born before Krishna as well?
Baba: Are the 'eight deities' ancestors of Krishna or do they come later on?
(Someone said something)
Baba: Just now it was told that Krishna will be born in the midst of his family....
Student: Will Krishna not be the first child of the Golden Age?
Baba: Krishna will be [the first child]. But before that will there be *Suryavanshis* in this world or not?
Student: There will be. Children, I mean children.
Baba: Radha and Krishna are children. They will become children. So, they are definitely *Suryavanshi* children. Will Radha and Krishna, who are born in the Golden Age, be *Suryavanshis* or *Chandravanshis*?

जिज्ञासु- हम तो ये समझते हैं.....

बाबा- एक बात बताईए सतयुग में जो बच्चे पैदा होंगे राधा-कृष्ण जैसे उनको सूर्यवंशी कहेंगे या चंद्रवंशी कहेंगे?

जिज्ञासु- सूर्यवंशी।

बाबा- सूर्यवंशी कहेंगे। तो उनका जन्म किससे होगा? उनका जन्म सूर्यवंशियों से ही होगा या कोई दूसरे धर्म वालों से होगा? अरे! उनसे भी ज्यादा पावरफुल आत्मायें कोई हैं या नहीं राधा-कृष्ण जैसे बच्चों से?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- उनके माँ-बाप हैं।

बाबा- माँ-बाप के साथ और संगी साथी होंगे या नहीं जन्म देने वाले?

जिज्ञासु- वो सब तो ए□ल्ट्स होंगे बच्चे नहीं होंगे ना।

Student: I feel.....
Baba: Tell me one thing. Will the children like Radha and Krishna, who are born in the Golden Age be called *Suryavanshis* or *Chandravanshis*?
Student: *Suryavanshis*.
Baba: They will be called *Suryavanshis*. So, who will give birth to them? Will the *Suryavanshis* give birth to them or will people of other religions give birth to them? Arey! Are there souls which are more powerful than the children like Radha and Krishna?
Student: Their parents.
Baba: Will there be other companions of the parents who give birth [to them] or not?
Student: All of them will be adults. They will not be children, will they?

बाबा- ए□ल्टस होंगे वो ज्यादा पावरफुल होंगे या जो बच्चे के रूप में जन्म लेंगे होंगे वो ज्यादा पावरफुल होंगे? रचयिता कौन है? और रचना कौन है? रचयिता ज्यादा पावरफुल होता है या रचना ज्यादा पावरफुल होती है? राधा-कृष्ण जैसे बच्चे जो सतयुग में पैदा होंगे वो रचना है सारी और उनको जन्म देने वाले जो 4 लाख हैं वो सब रचयिता हैं। भल अलग-अलग धर्मों के बीज हैं। वो सब अलग-अलग धर्मों के बीज नम्बरवार आवेंगे परमधाम से ऐसे नहीं कि सतयुग के आदि से ही सब आ जावेंगे। ऊपर से वो आत्मायें उतरती जावेंगी बर्फ का वो हिस्सा हटता जावेगा। उनमें वो आत्मायें प्रवेश करती जावेंगी।

Baba: Will the adults be more powerful or will those who are born as children be more powerful? Who is the creator? And who is the creation? Is the creator more powerful or the creation more powerful? (Students said: the creators) All the children like Radha and Krishna, who will be born in the Golden Age are creation and those 4 lakhs who give birth to them are creation, although they are seeds of different religions. All those seeds of different religions will come according to their rank from the Supreme Abode; it is not as if all of them will come from the beginning of the Golden Age itself. Those souls will keep descending from above and that portion of ice will be removed and those souls will go on entering.

समय:48.58-49.55

जिज्ञासु- बाबा, ये प्रसंग है कि शिवद्रोही मम् दास कहावा सो नर सपनेहु मोहे न पावा। ये बेहद में राम....शिव के लिए बोला है, इसका क्या अर्थ है?

बाबा- ये कहा किसने रामायण में? राम भगवान ने कहा ना? और जो शिव कहा गया है वो शंकर की मूर्ति को लेकरके शिव कहा गया है या बिंदी के लिए कहा गया है? माना कोई मूर्तिमान है। अगर उसका कोई द्रोह करता है तो वो मेरी उपासना करने वाला नहीं है। वो मेरा सेवक नहीं है वो ईश्वरीय सेवा नहीं कर सकता। जो साकार को ही नहीं मानेगा वो निराकार को कहाँ से मान लेगा? इसीलिए बोला है शिवद्रोही मम् दास कहावा सो नर सपनेहु मोहे न पावा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 48.58-49.55
Student: Baba, there is a phrase *'Shiv drohi mam daas kahava, so nar sapnehu mohey na pava.*' In an unlimited sense… this has been said [by] Ram for Shiv. What does it mean [in an unlimited sense]?
Baba: Who said this in Ramayana? God Ram said so, didn't he? And the word Shiv that has been said, has the idol of Shankar been referred to as Shiv or has the point been referred to as Shiv? (Students said: it has been said for Shankar.) It means that there is a personality. If someone opposes him, he (the one who opposes) cannot be my worshipper. He is not my servant. He cannot do service of God. How can the one who does not accept the corporeal one accept the incorporeal one? This is why it has been said that *"Shiv drohi mam daas kahava, so nar sapnehu mohey na pava.*" (The one who opposes Shiv is like my servant; that person cannot reach me even in his dreams).

समय: 51.15-01.01.48

जिज्ञासु- बाबा जैसे ए□वांस में सबसे पहले जो कन्या सरें□र हुई वो ही कन्या जो है कुछ देर के बाद चली गई यज्ञ से और लिखकर दे गई की मैं स्वेच्छा से जा रही हूँ। और शिवबाबा की मैं बनी रहूँ।

बाबा- शिवबाबा? जो चली गई बीच में वो ब्रह्मा परस्त है, ब्रह्मा अर्थात कृष्ण की आत्मा को मानने वाली है या राम वाली आत्मा को मानने वाली है?

जिज्ञासु- वही पूछ रहा था।

Time: 51.15-01.01.48
Student: Baba, for example, the virgin who surrendered first of all in advance (party) left the yagya after some time and gave in writing that she is leaving voluntarily. And that she will continue to remain Shivbaba's (child).
Baba: Shivbaba? Is the one who left in between, a follower of Brahma, does she believe in the soul of Brahma, i.e. Krishna or does she believe in the soul of Ram?
Student: I was asking the same thing.

बाबा- हम आपसे पूछ रहे हैं आप बताईए। वो आत्मा जो है वो कृष्ण के ऊपर उसको ज्यादा श्रद्धा है या राम वाली आत्मा के ऊपर ज्यादा श्रद्धा है?

जिज्ञासु- कृष्ण के ऊपर।

बाबा- कृष्ण के ऊपर। जब तक ए□वांस में रही तब तक भी अंदर श्रद्धा कृष्ण वाली आत्मा के ऊपर श्रद्धा रही। क्योंकि वो किस धर्म की बीज है? वो कन्या जो है जो रूद्र माला का फाउंड□शन बनती है। वो किस धर्म का बीज है?

जिज्ञासु- चंद्रवंश की।

Baba: I am asking you. Please tell me. Does that soul have more faith on Krishna or on the soul of Ram?
Student: On Krishna.
Baba: On Krishna. As long as she was in advance (party), she still had faith on the soul of Krishna in her mind because… she is a seed of which religion? That virgin becomes the foundation of Rudramala. She is a seed of which religion?
Student: Of the Moon dynasty.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- चंद्रवंश का बीज है। तो जो चंद्रवंश का बीज है वो भगवान को पूरा पहचानेगा? इसीलिए मुरली में बोला है मेरे साथ रहने वाले भी मेरे को नहीं पहचान पाते। ये तो नहीं कहा कि मेरे साथ जो कम रहने वाले हैं वो नहीं पहचान पाते। चाहे ज्यादा रहने वाले हों, चाहे कम रहने वाले हों। उनमें से बहुतेरे ऐसे हैं। जो सब ज्यादा साथ रहने वाला साथ किसने निभाया? सबसे ज्यादा मिलन-मेला किसने मनाया? किसने मनाया? जगतम्बा ने सबसे ज्यादा जगतपिता के साथ मिलन मनाया। तो जिसने संग का रंग लिया। उसमें सबसे जास्ती पावर भर गई या नहीं भर गई? भर गई। वो इतनी पावर भर जाती है कि माया ब्राह्मणों का कुछ नहीं आज तक बिगाड़ सकी। दिन दुगुना रात चौगुना संगठन ए□वांस वालों का बढ़ता जा रहा है। लेकिन माया ने शरीर छो□ने के बाद...जब तंग आ गई माया। बोला ना अव्यक्त वाणी में कि माया जब थक चुकी। हॉस्पिटलाईस्ड़ होते-होते थक गई बहुत ही शरीर छोड़ने के बाद किससे हाथ मिलाए लिया?

जिज्ञासु- प्रकृतिपति से।

Baba: She is a seed of the Moon dynasty (*chandravansh*). So, will the one who is a seed of the Moon dynasty recognize God completely? This is why it has been said in the Murli that even those who live with me are not able to recognize me. It has not been said that those who live with me for a shorter period are unable to recognize me. It could be those who live for a longer period or shorter period (with me). There are many such ones among them. The one who lived with me more than anyone else…; who maintained the relationship longer? Who enjoyed the meeting [with the Father] more than anyone else? Who enjoyed it? Jagdamba enjoyed the maximum meeting with Jagatpita. So, the one who was coloured by his company most, filled with more power or not? She was filled with more power. She becomes so powerful that Maya could not harm Brahmins in any way till this day. The gathering of people of the advance party is increasing day in and day out. But *Maya* after leaving her body….when Maya was fed up …. It has been told in the *avyakta vani* that maya has now become tired. While she was hospitalized again and again she became very tired and with whom did she join hands after leaving her body?
Student: With the lord of nature (*prakritipati*).

बाबा- प्रकृतिपति से नहीं हाथ मिलाए लिया। प्रकृति से हाथ मिलाए लिया। पांच तत्वों में मुख्य तत्व कौनसा है? पृथ्वी। तो वो मुखिया है। पृथ्वी पर पांचों तत्व ही विराजमान हैं। ज्यादा से ज्यादा तादाद में। और ग्रह-उपग्रहों में पांचों तत्व नहीं है। क्या? पृथ्वी पर पांचों तत्व हैं। इसीलिए वो पृथ्वी माता जो है वो मुखिया है पांच तत्वों की। माना प्रकृति है। प्रकृति का साकार रूप है जिसके लिए बोला प्रकृति इस समय दोनों हाथों में झा□ लेकर खड़ी है। कब दीवाली का टाईम आए और कब की□ों-मको□ों को साफ कर दे। तो समझ में आ गई बात कि जगतमाता जो है जगतमाता है भारतमाता तो नहीं है। जगतमाता है और जगत में राक्षस सम्प्रदाय और दैवी सम्प्रदाय दोनों हैं या सिर्फ.....

जिज्ञासु- दोनों हैं।

Baba: She did not join hands with *Prakritipati*. She joined hands with *prakriti* (nature). Which element is the main one among the five elements? Earth (*prithvi*). So she is the head. All the five elements are present on the Earth in maximum quantity. Five elements are not present in other planets and satellites. What? All the five elements are on the Earth. This is why Mother Earth is the chief of all the five elements. It means that it is nature (*prakriti*). She is the corporeal form of *Prakriti* about whom it has been said that now *Prakriti* is standing with brooms in both her

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

hands. She is waiting that as soon as *Diwali* (the festival of lights) comes, I shall remove all the insects and worms. So, did you understand that *Jagatmata* (world mother) is Jagatmata, she is not Mother India (*Bharatmata*). She is Jagatmata and are there both demoniac community and divine community in the world or just….
Student: There are both.

बाबा- दोनों सम्प्रदाय है। और ज्यादा संख्या किसकी है? राक्षस सम्प्रदाय की □र की □र संख्या है। चंद्रवंशी से लेकरके और नास्तिक वर्ग तक सारे ही राक्षस सम्प्रदाय हैं बीजरूप में। तो इतने बच्चों के संग का रंग लेने वाली माँ किसके प्रभाव में आएगी? मुठ्ठी भर सूर्यवंशियों के प्रभाव में आएगी या बच्चों के प्रभाव में? आज माताओं की हालत क्या है? पति के प्रभाव में अंत तक ज्यादा रहती हैं या बच्चों के प्रभाव में आ जाती हैं? पति जहाँ चला जाए। कृष्ण गीता का भगवान बनकरके बैठता है। उन माताओं के ऊपर बाप की नहीं चलती खसमियत किसकी चलती है?

जिज्ञासु- बच्चों की चलती है।
Baba: There are both communities. And whose number is more? The number of demoniac community is more. Among the seeds of the *Chandravanshis* to the atheists everyone belongs to the demoniac community. So, under whose influence will the mother, who is coloured by the company of so many children, be? Will she come under the influence of a handful of *Suryavanshis* or under the influence of the children? What is the condition of today's mothers? Do they remain under the influence of their husband till the end or do they come under the influence of the children? In case the husband departs, Krishna becomes the God of the Gita. Those mothers do not remain under the influence of the father, under whose control do they remain?
Student: The children.

बाबा- बच्चे खसम बनकरके बैठ जाते हैं। हम जैसे चलायें वैसे ही चलो। हाँ चलेंगे। गीता का भगवान कृष्ण हो जाता है। और वो ही यज्ञ के अंदर हुआ पड़ा है। अभी गीता का भगवान कौन है? गीता की बुद्धि में भगवान कौन है राम है भगवान या कृष्ण भगवान है? कृष्ण ही भगवान है। पहले भी कृष्ण ही भगवान था। जब ए□वांस में थी तब भी। अभी भी गीता का भगवान कृष्ण है। और कृष्ण की बुद्धि में भी? उसकी बुद्धि में भी यही है कि गीता का भगवान मैं ही हूँ। कोई प्रूफ नहीं है। मुरलियों में कोई इस बात का प्रूफ हो कि दादा लेखराज ब्रह्मा के अंदर भगवान ने प्रवेश किया। ऐसा कोई सॉलि□ प्रूफ है?

जिज्ञासु- बाबा कहते थे मेरे अंदर भगवान है।
Baba: Children become the husband. [They say:] Do as we want you to do. (Mothers say) Yes, we shall. Krishna becomes the God of the Gita. And that has happened in the *yagya*. Who is the God of the Gita now? Who is God in the Gita's intellect? Does she think Ram to be God or Krishna to be God? Krishna alone is God (in her intellect). Earlier too Krishna alone was God. Even when she was in advance (party). Even now Krishna is 'God of the Gita' for her. And what about Krishna's intellect too? It is in his intellect also that 'I am the God of the Gita'. There is no proof. Is there any proof in the Murlis that God entered Dada Lekhraj Brahma? Is there any solid proof?
Student: (Brahma) Baba used to say that God is present in me.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- यहाँ सारे ही कहने लगे। आज के सारे ही गुरू कहते हैं शिवोहम। तो सबको भगवान मान लो। मानेंगे?

जिज्ञासु- ऐसे कैसे मानेंगे।

बाबा- ऐसे कैसे मानेंगे फिर? बिना प्रूफ और प्रमाण के जो मान लेते हैं वो बुद्धिमान बाप के बुद्धिमान बच्चे ही नहीं हैं। प्रूफ प्रमाण चाहिए।

दूसरा जिज्ञासु- बाबा, रामायण में कहा है।

Baba: Everyone started saying so here. All the gurus of the present day say 'Shivoham' (I am Shiv). So, accept everyone as God. Will you?
Student: How can we accept it?
Baba: How can you accept it; then? Those who accept without proofs are not the intelligent children of the intelligent father. They want proofs.
Another student: Baba, it has been said in the Ramayana.

बाबा- इनकी बात हल हो लेने दो इन्होंने बहुत बड़ी बात कही है। नहीं तो ये हिल रहे हैं अंदर से। अब सवाल ये है कि जगतपिता के संरक्षण में जगतमाता क्यों नहीं है? क्यों छिटक के अलग हो गई?

जिज्ञासु- हाँ जी। यही बात पूछनी थी।

बाबा- ये प्रश्न अभी आपका हल नहीं हुआ है। जो जगतपिता है वो इस समय विदेशी बनकरके आया हुआ है या विदेशी है?

जिज्ञासु- विदेशी बनकर आया हुआ है।

Baba: Let him first get a solution. He has raised a very big issue. Otherwise he is shaking from within. Now the question is that why is not Jagatmata (world mother) in the guardianship of Jagatpita (world father)? Why did she separate?
Student: Yes. This is what I wanted to ask.
Baba: Your question has not been solved yet. Has Jagatpita come at present in the form of a *videshi* (foreigner) or is he (actually) a *videshi*?
Student: He has come in the form of a *videshi*.

बाबा- बनकरके आया हुआ है। हाँ विदेशी बनकरके इसीलिए आया हुआ है कि सारे ही बच्चों से भगवान को संगमयुग में नम्बरवार मिलना ज़रूर है। कोई को ज्यादा मिलना है कोइ को कम मिलना है। कोई को सम्पूर्ण इन्द्रियों से मिलना है और कोई को कम से कम आँखों से तो देखना है। अच्छा आँखों से नहीं देखा कानों से सुनना तो है। अखबार में तो देखना है। माना सबको ये एहसास हो जाए, विश्वास बैठ जाए। कि हमारा बाप इस सृष्टि पर आया हुआ है। इसीलिए बोलता है कि बाप विदेशी बनकरके आया हुआ है। मर्यादा पुरूषोत्तम राम भगवान बनके नहीं आया हुआ है। गुप्त पार्ट बजाए रहा है या प्रत्यक्ष पार्ट बजाए रहा है? गुप्त पार्ट बजाए रहा है। नहीं तो बच्चों से मिलेंगे कैसे? इस राज़ को जो जड़त्वमयी बुद्धि प्रकृति है, पृथ्वी है वो जड़ बुद्धि है वो समझेगी या कोई दूसरे समझेंगे? न वो समझेगी और जो जड़त्वमयी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बुद्धिवाले जो भी होंगे वो भी नहीं समझेंगे। न दूसरे समझेंगे उसको फॉलों करने वाले। जो प्रकृति है और जो माया है उसको शिवशक्ति कहेंगे? शिव की शक्ति कहेंगे या रावणशक्ति कहेंगे?(किसीने कुछ कहा)

Baba: He has come assuming the form (of a foreigner). Yes, he has come in the form of a foreigner because God has to certainly meet all the children in the Confluence Age according to their rank. Some have to meet more and some have to meet less. Some have to meet with all the organs and some have to see at least through the eyes. OK, if they cannot see through the eyes, they should at least hear (about Him) through the ears. They have to at least see in the newspaper. It means that everyone should feel, everyone should develop the faith that their Father has come in this world. This is why He says that the Father has come in the form of a foreigner. He has not come in the form of *Maryada Purushottam* (the one who follows the code of conduct) God Ram. Is he playing a secret role or a role visible to all? He is playing a secret role. Otherwise, how will he meet the children? Will the non-living intellect, the nature (*prakriti*), the Earth (*prithvi*), who has a non-living intellect understand it or will anyone else understand it? Neither will she understand nor will others who have a non-living intellect understand it. Neither will others who follow her understand it. Will *prakriti* and *maya* be called *Shivshakti*? Will they be called the *shakti* of Shiv or the *shakti* of Ravana? (Someone said something).

बाबा- प्रकृति रावण के दस शिष दिखाए जाते हैं। पांच विकार और पांच प्रकृति के तत्व। पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश। ये पांच जड़ तत्व हैं जिन्हें कहते हैं मंद उदरी। उदर माना पेट। रावण की पत्नि का नाम क्या था? मंदोदरी। जिसका बुद्धिरूपी पेट मंद है। माना जड़त्वमयी बुद्धि है। वो उसकी पत्नि है। नारी होने के कारण इतना जान लिया कि वो भगवान है लेकिन फिर भी साथ किसका दिया? रावण का साथ दिया। रावण सम्प्रदाय का साथ दिया।

Baba: Prakriti (nature). Ravan is shown to have ten heads. Five vices and five elements of nature. Earth, water, wind, fire and sky. These are the five non-living elements who are called *mand* (dull) *udari. Udar* means stomach. What was the name of Ravan's wife? Mandodari. The one whose stomach-like intellect is weak. It means that she has a non-living intellect. She is his wife. Because of being a woman she just realized that He is God, but despite that whom did she take side with? She took the side of Ravan. She took side of the Ravan community.

……..……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info